तीन दिन की बारिश से फसलों को जीवनदान मिला, किसानों के चेहरे खिले

- बारिश नहीं होने से मोठ, बाजरा, ग्वार की फसलें सूखकर मुरझाने लगी थी
- बीकानेर जिले में तीन दिन की बारिश से फसलों में जान आ गई

बीकानेर, (कासं)। बीकानेर जिले में गत दो-तीन दिनों से हो रही बरसात से मुरझाती खरीफ फसलों को जीवन दान मिला। आधे सावन के बाद आधा भादवा भी बिना बरसात से बीतने से खरीफ बारानी व सिंचित खेती प्रभावित होने लगी थी। इससे बारानी खेती में मोठ, बाजरा, ग्वार की फसलें काफी प्रभावित होकर मुरझा सी गई थी। इस बरसात ने किसानों के चेहरों पर रौनक लौटा दी।

संयुक्त निदेशक कृषि कैलाश चौधरी ने बताया कि बीकानेर में किसानों द्वारा खरीफ में 12 लाख 82 हजार 242 हेक्टेयर क्षेत्रफल में खरीफ फसलों की बुवाई की गई है। खरीफ में सर्वाधिक क्षेत्रफल में किसानों द्वारा ग्वार की फसल 4 लाख 35 हजार हेक्टेयर क्षेत्र में बोई गई। ग्वार के बाद 3 लाख 30 हजार हेक्टेयर क्षेत्र में मोठ, 2 लाख 22 हजार हेक्टेयर क्षेत्र में मूंगफली, 71 हजार हेक्टेयर क्षेत्रफल में बाजार, 50 हजार हेक्टेयर क्षेत्रफल में कपास तथा 42 हजार हेक्टेयर क्षेत्र में मूंग की बुवाई हुई है। सिंचित क्षेत्र विकास क्षेत्र में भी 1 लाख 30 हजार हेक्टेयर क्षेत्र में बुवाई हुई है।

उद्यान विभाग के सहायक निदेशक मुकेश गहलोत ने बताया कि जिले में लगभग 1500 हेक्टेयर क्षेत्रफल में फल वृक्ष बगीचा किसानों ने लगा रखे हैं। 750 हेक्टेयर क्षेत्र में अनार व 300 हेक्टेयर क्षेत्रफल में खजूर फल वृक्ष बगीचा के लिए भी यह बारिश उचित बढ़वार व उत्पादन के लिए जीवन दायिनी साबित होगी। ऐसे समय में जिले में शुक्रवार शाम से हो रही अच्छी बरसात से एक ओर जहां किसानों के चेहरे खिले। वहीं दूसरी ओर फसलों में रौनक लौट आई है। शनिवार व रविवार को हुई अच्छी बरसात से खेतों को संजीवनी मिली है। जिले में उत्पादित हो रही खरीफ सब्जियों में मुख्यत: कद्दू वर्गीय सब्जियों के लिए इस बारिश से सब्जी उत्पादक किसानों के चेहरे पर मुस्कान लौट आई है।

राजेडू (श्रीडूंगरगढ़) के किसान नानूराम गरूवा ने बताया कि समय रहते हुई बरसात ने फिर से उम्मीदों को जीवित कर दिया है। अनार, मोठ, ग्वार, मूंगफली फसल के लिए यह बरसात लाभदायक सिद्ध होगी। बेलासर (बीकानेर) के किसान वीरेन्द्र लुणू ने बताया कि इस समय सभी फसलों में फाल आ रहा है और सिंचाई की ज्यादा जरूरत रहती है। समन्दसर के किसान गोरधन राम मेघवाल ने कहा कि बरसात होने से फसलों में अच्छी बढ़वार के साथ फाल भी अच्छा आने की उम्मीद जगी है। फसलों का कीट रोग से भी बचाव होगा। 6 केवाईडी (खाजूवाला) के किसान पृथ्वीराज कासनिया ने बताया कि यह बरसात खरीफ फसलों बारानी ग्वार, मोठ, बाजरा के साथ-साथ कपास, मोठ व मूंगफली के लिए भी वरदान है।

नोखा। नोखा में रविवार को भी बारिश का सिलसिला जारी रहा। सुबह 7 बजे से दोपहर 2 बजे तक हल्की से तेज बारिश होती रही। बारिश के कारण शहर की गलियों में पानी भर गया। लगातार हो रही बारिश से कच्चे मकानों के गिरने का खतरा उत्पन्न हो गया है। बजरी की पुरानी खानों पर बने मकान भी जमींदोज हो सकते हैं।

उल्लेखनीय है कि शुक्रवार रात से शनिवार दोपहर 12 बजे तक 116 एमएम बारिश दर्ज की गई थी। नोखा शहर सहित गांवों में भी बादल जमकर बरसे हैं। वहीं तहसीलदार और कार्यवाहक ईओ चंद्रशेखर टाक ने प्रभावित क्षेत्रों का दौरा किया। सिनेमा हॉल क्षेत्र में जमींदोज हुए मकानों के आसपास रहने वाले लोगों को सुरक्षित स्थानों पर स्थानांतरित किया जा रहा है। प्रशासनिक अधिकारियों ने उगमपुरा, कानपुरा, जोरावरपुरा और मोहनपुरा क्षेत्र का जायजा लिया। आर.के. पुरम क्षेत्र में पानी निकासी की व्यवस्था का निरीक्षण किया गया।

डॉ. गुंजन सोनी अमेरिका में हुए सम्मानित

बीकानेर, सरदार पटेल मेडिकल कॉलेज, बीकानेर के प्राचार्य एवं नियंत्रक डॉ. गुंजन सोनी को अमेरिका के बोस्टन में आयोजित राजस्थान मेडिकल एलुम्नी एसोसिएशन के 34वें वार्षिक अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन (21-24 अगस्त 2025) में विशेष सम्मान से नवाजा गया। डॉ. सोनी को उनके समर्पण और चिकित्सा शिक्षा के प्रति प्रतिबद्धता के लिए 'गेस्ट ऑफ ऑनर' के रूप में सम्मानित किया गया। इस दौरान डॉ. सोनी ने 'इंडियन पर्सपेक्टिव ऑफ हेल्थ केयर' विषय पर व्याख्यान दिया और एसपी मेडिकल कॉलेज की ई-लाइब्रेरी अपग्रेडेशन के लिए अपील की। सम्मेलन में अमेरिका व भारत के 350 से अधिक नामचीन डॉक्टरों, जिसमें राजस्थान के विशेषज्ञ भी शामिल थे, ने भाग लिया। यह सम्मान न केवल डॉ. सोनी के योगदान को रेखांकित करता है, बल्कि राजस्थान की चिकित्सा शिक्षा को वैश्विक मंच पर नई पहचान दिलाने में मील का पत्थर साबित होगा।

सार-समाचार

छात्रा ने फांसी लगा जान दी

श्रीगंगानगर, (कासं)। सदर थाना क्षेत्र में महज 13 साल की छात्रा ने फांसी लगाकर जान दे दी। घटना ने पूरे मोहल्ले को स्तब्ध कर दिया। मृतका छठी कक्षा में पढ़ती थी और अपने परिवार के साथ रहती थी। जानकारी के अनुसार स्कूल से लौटने के बाद छात्रा ने पहले अपनी दादी का मोबाइल लिया और उस पर गाने सुने। इसके बाद उसने अपनी छोटी बहन से कहा कि वह कमरे में कपड़े बदलने जा रही है। छोटी बहन दरवाजे के बाहर इंतजार करती रही, लेकिन काफी देर तक दरवाजा नहीं खुला। आवाज लगाने पर भी जब कोई प्रतिक्रिया नहीं मिली तो उसने दादा-दादी को सूचना दी। पीछे की दीवार से झांककर देखा गया तो नजारा दिल दहला देने वाला था। बच्ची चुनरी का फंदा बनाकर छत से लटकी हुई थी। आनन-फानन में पीछे से दीवार फांदकर दरवाजा खोला गया और बच्ची को नीचे उतारा गया। परिजन उसे ई-रिक्शा से अस्पताल ले गए लेकिन डॉक्टरों ने जांच के बाद मृत घोषित कर दिया। घटना की सूचना माता-पिता को दी गई, जो तुरंत घर लौट आए। घटना की सूचना पुलिस को दी गई। पुलिस ने शव का पोस्टमार्टम करवा परिजनों को सौंप दिया। अंतिम संस्कार किया गया। मासूम की इस तरह मौत से परिवार सहित पूरा मोहल्ला गमगीन है। घटना के पीछे के कारणों का अभी तक पता नहीं चल पाया है। एसआई हंसराज ने बताया कि अंतिम संस्कार के चलते अभी परिजनों के बयान दर्ज नहीं हुए हैं। परिजनों के बयान के आधार पर आगे की कार्रवाई होगी।

चोर लाखों के जेवर लेकर पार

बीकानेर, (कासं)। जिले के लूणकरनसर में लाखों रूपए की नगदी और जेवरात चोरी का मामला सामने आया है। चोरी बामनवाली के नंदलाल सारस्वत के घर पर हुई है। आश्चर्य की बात ये है कि परिजन घर में ही चौक में गहरी नींद में सो रहे थे और चोर सारा कीमती सामान समेटकर ले गए। सुबह पौने पांच बजे आंख खुली तब घटना का पता चला। लूणकरनसर के बामनवाली गांव में रहने वाले नंदलाल पुत्र श्रीलाल सारस्वत ने बताया कि वो रात में गर्मी के कारण घर के चौक (आंगन) में सो रहे थे। परिवार के अन्य सदस्य भी यहीं पर सो रहे थे। सुबह पौने पांच बजे आंख खुली तब पता चला कि चोरी हुई है। कूलर के आगे सो रहे परिवार के किसी सदस्य को भनक तक नहीं लगी कि चोर आकर चले भी गए। चोर घर के पीछे बनी दीवार फांदकर आए थे और कमरे के अंदर पहुंच गए। कमरे में ताले टूटे हुए थे। इसी अलमारी में 4 जोड़ी चांदी की पायल, सोने के 1 जोड़ी कड़े, चांदी के 5 सिक्के, बिछुडी 2 जोड़ी, 6 जोड़ी सोने के कंगन, 1 सोने की अंगूठी, चोरी हो गए। इसके अलावा अलमारी में रखे 1 लाख 75 हजार रूपए भी चोर उठाकर ले गया। घटना के बाद सुबह पुलिस को फोन किया गया। मौके पर पहुंची लूणकरणसर पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। फिलहाल पुलिस सीसीटीवी फुटेज ढूंढ रही है।

साइकिल रैली से दिया फिट रहने का संदेश

श्रीगंगानगर, (कासं)। फिट इंडिया मिशन के तहत रविवार को जिला पुलिस की ओर से शहर में फिटनेस जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। रैली से पहले पुलिस लाइन में योग, जुंबा, और रोप स्किपिंग जैसी गतिविधियां भी कराई गई जिनमें बड़ी संख्या में पुलिसकर्मी और युवा शामिल हुए। एसपी अमृता दुहन ने बताया कि यह कार्यक्रम पुलिस मुख्यालय के निर्देशानुसार आयोजित किए गए हैंरैली पुलिस लाइन से शुरू होकर सर्किट हाउस, महाराजा गंगासिंह चौक, शहीद भगत सिंह चौक, बीरबल चौक, सुखडि़या सर्किल, शिव चौक, चहल चौक होते हुए मीरा चौक पर समाप्त हुई।

खुदी सड़क से वाहन चालक घायल

श्रीगंगानगर, (कासं)। एसएसबी रोड पर गैस पाइपलाइन डालने के लिए खोदे गए गड्ढों की मिट्टी के कारण एक बाइक चालक गिरकर घायल हो गया प्रत्यक्षदर्शी एडवोकेट रजत स्वामी ने बताया कि सड़क किनारे जहां से दुपहिया वाहन निकलते हैं वहां गैस लाइन के लिए करीब 18-20 फीट लम्बा, करीब 4 फीट चौड़ा और 6 फीट गहरा गड्ढा खोदकर खुला छोड़ दिया गया था। इससे दिन में 8-10 वाहन चालक गिरकर दुर्घटना का शिकार हो गए।

बीकानेर में बारिश के चलते दो कारें भिड़ी, 2 गंभीर घायल

- बारिश के चलते जाम लगा तो इसमें 2 एम्बुलेंस भी फंस गई, कलेक्ट्रेट में भी पानी भर गया है, जिसे मशीन से बाहर निकाला जा रहा है

बीकानेर, (कासं)। नापासर में तेज बारिश के बीच सड़क पर दौड़ रही दो कारें आमने-सामने भिड़ गई। इनमें सवार दो महिलाएं गंभीर रूप से घायल हो गई, जिन्हें ट्रोमा सेंटर में भर्ती करवाया गया है।

बीकानेर में रविवार सुबह से ही तेज बारिश का दौर अब थम गया है। शहर में बारिश के बाद कोटगेट और केईएम रोड पर तेज गति से बहते पानी ने सड़क को नाला बना दिया। फिलहाल बादल जमे हुए हैं और रूक-रूककर बारिश हो रही है। बीकानेर में तेज बारिश के चलते जाम लगा तो इसमें 2 एम्बुलेंस भी फंस गई। कलेक्ट्रेट में भी पानी भर गया है, जिसे मशीन से बाहर निकाला जा रहा है। एमएस कॉलेज के पास जाम के हालात हैं। जैसलमेर से जयपुर और गंगानगर की ओर जाने वाले इस रास्ते पर दोनों तरफ करीब एक किलोमीटर लम्बी गाड़ियों की लाइन लग गई। लोग रांग साइड से वापस मुड़ते नजर आए। ऐसे में दोनों तरफ से जाम की स्थिति बन गई। वहीं पुराने शहर में बरसा पानी तेलीवाड़ा, दाऊजी मंदिर रोड और जोशीवाड़ा होते हुए केईएम रोड तक पहुंच गया। जहां से ये पानी आगे कलेक्टरी परिसर की तरफ गया। वहीं पुरानी गिन्नाणी एक बार फिर जलमग्न हालात में है। गिन्नाणी में चारों तरफ एक बार फिर पानी जमा हो गया।

राष्ट्रीय राजमार्ग 11 पर रविवार को गुसांईसर में बैंक ऑफ बड़ौदा के सामने दो कारों की आमने-सामने भिड़ंत हो गई।

दोनों कारों में सवार लोगों को घायल अवस्था में ट्रोमा सेंटर पहुंचाया गया है। हादसे के समय तेज बारिश हो रही थी। जयपुर से बीकानेर की तरफ आ रही कार और बीकानेर से जयपुर की तरफ जा रही स्विफ्ट डिजायर आमने-सामने टकरा गई। स्विफ्ट डिजायर में सवार दो पुरूष और दो महिलाएं गंभीर रूप से घायल हो गए। जबकि बीकानेर आ रही कार में बैठे तीन पुरूष और दो महिलाएं भी चोटिल हो गए।

सूचना मिलते ही नापासर थाना से हैड कांस्टेबल किशन सिंह मौके पर पहुंचे। उन्होंने ग्रामीणों और मौके पर मौजूद रामदेवरा पैदल यात्रियों की मदद से दोनों गाडियों को साइड करवाया और घायलों को एम्बुलेंस से बीकानेर ट्रोमा सेंटर भेजा।

पुलिस ने बताया कि हादसे के चलते राष्ट्रीय राजमार्ग पर कुछ देर तक यातायात बाधित रहा। हादसे में अब तक दो घायल महिलाओं के नाम सामने आए हैं, जिसमें पूजा पत्नी किशन गोपाल उम्र 25 बंगला नगर और रेखा पुत्री लक्ष्मण 36 वर्ष हाल तोलियासर नर्स है।

चारों तरफ पानी से घिरे कलेक्ट्रेट में जमा पानी को निकालने के लिए नगर निगम की मशीन लगी हुई है। बारिश के कारण कोलायत की तरफ से आ रही एम्बुलेंस पुलिस लाइन चौराहे पर फंस गई। बार बार सायरन बजने के बाद भी लोग नहीं हट पा रहे।

भगवान महावीर स्वामी के सिद्धान्त व आदर्श अनुकरणीय

बीकानेर। जिनालय पूजा, परमात्म भक्ति, दर्शन, वंदन करने वाले जैन श्वेताम्बर खरतरगच्छ, तपागच्छ में रविवार को अहिंसा परमो: धर्म:का संदेश देने वाले भगवान महावीर के आदर्शों, उनकी माता त्रिशला देवी को स्वप्न में दिखाई दी 14 वस्तुओं की बोलियों व जन्म वांचन वांचन का उत्सव कल्पसूत्र के प्रसंगानुसार मनाया गया। उत्सव में चतुर्विद संघ (साधु-साध्वी, श्रावक-श्राविकाओं) चिंतन, मनन, व्याख्यान व चर्चा में सक्रिय भागीदारी निभाई।

गणिवर्य मेहुल प्रभ सागर, मंथन प्रभ सागर व मीत प्रभ सागर म.सा. के सान्निध्य में सुगनजी महाराज का उपासरा ट्रस्ट, अखिल भारतीय खरतरगच्छ युवा परिषद की बीकानेर इकाई की ओर से सकल श्रीसंघ के सहयोग से ढड्ढा कोटड़ी में आयोजित चातुर्मास स्थल में, तथा बीकानेर की साध्वी दीपमाला व शंख निधि के सान्निध्य में प्रभु महावीर के जन्म का वांचना रांगड़ी चौक की तपागच्छीय पौषधशाला में हुई। भक्ति गीतों के साथ भगवान महावीर की माता त्रिशला देवी को स्वप्न में दिखाई दी 14 वस्तुओं की बोलियां लगाई गई तथा सचेतन झांकियों व बालक-बालिकाओं के नृत्यों के साथ प्रभु महावीर का जन्मोत्सव मनाया गया।

अखिल भारतीय खरतरगच्छ युवा परिषद की बीकानेर इकाई के अध्यक्ष अनिल सुराणा ने बताया कि बाड़मेर के भूरचंद-मंजू देवी भंसाली, कपिल कुमार-पूजा, जियाना भंसाली, रमेश व उषा संखलेता ने पालना को मुरलीधर व्यास नगर में अग्निशमन के पास से गाजे बाजे से लाकर ढड्ढा कोटड़ी में लाकर जन्मोत्सव के लिए प्रतिष्ठित किया। वरिष्ठ श्रावक भूरचंद भंसाली परिवार के साथ अनेक श्रावक-श्राविकाओं ने पालने में विराजमान परमात्मा की वंदना की। संगठन के प्रचार मंत्री धवल नाहटा ने बताया कि परमात्मा के पालनाजी को सोमवार को वापिस प्रवचन स्थल ढड्ढा कोटड़ी में लाया जाएगा। स्वप्न की बोलियों में मुनीमजी की भूमिका वरिष्ठ चार्टेड एकाउंटेंट राजेन्द्र लूणिया व उनके सहयोगी के रूप में कृष्ण लूणिया ने भूमिका निभाई। चौविहार (बिना अन्न जल) के 59 दिन की उपवास करने वाले कन्हैयालाल भुगड़ी तथा अक्षय निधि व अन्य तपस्याएं करने वाले तप के तपस्वियों की अनुमोदना की गई। खरतरगच्छ युवा परिषद की ओर से महावीर भवन में साधार्मिक वात्सल्य का आयोजन किया गया।

गणिवर्य मेहुल प्रभ सागर म.सा. ने ढड्ढा कोटड़ी में रविवार को कल्पसूत्र का वाचन विवेचन करते हुए परमात्मा महावीर के जन्म का वांचन किया। उन्होंने कहा कि समस्त जैन धर्मावलम्बियों ही नहीं समस्त जगत के लिए भगवान महावीर स्वामी के आदर्श, सिद्धान्त व संदेश आदर्श है। भगवान महावीर के चरित्र को सुनकर, उस पर चिंतन-मनन करने से हमें जीवन के मर्म का पता चलता है तथा जीवन जीने का सलीका व कला आ जाती है। भगवान महावीर स्वामी के जीवन की प्रत्येक घटना बोध देती है कि हमें उनके शासन में आसन बिछाने का सौभाग्य मिला। उनकी माता त्रिशला देवी को स्वप्न में सर्व प्रथम सिंह देखा, वहीं जैन धर्म के 22 तीर्थंकरों की माताओं ने हाथी देखा।

गलत तरीके से छूने के मामले में आरोपी गिरफ्तार

श्रीगंगानगर, हिंदुमलकोट पुलिस ने करीब 9-10 साल की बच्ची को गलत तरीके से छूने के मामले में आरोपी को गिरफ्तार किया है। घटना थाना क्षेत्र के एक गांव में 14 जुलाई को हुई। जानकारी के अनुसार चार बच्चियां दूध लेने के लिए जा रही थी। इसी दौरान आरोपी ने उन्हें पकड़ लिया। एक बच्ची ने बताया कि आरोपी ने उसे गलत तरीके से छुआ।

मामले की जांच कर रहे थाना प्रभारी गुरमेल सिंह ने बताया कि बच्चियों व उनके परिजनों के बयान दर्ज किए गए। बच्ची ने इस संदर्भ में बयान दिया है। इसके अलावा मामले की गहनता से पड़ताल के बाद आरोपी की गिरफ्तारी की गई। आरोपी के खिलाफ पोक्सो एक्ट के अलावा अन्य संबंधित धाराओं में केस दर्ज किया गया है।

वहीं कोतवाली थाना क्षेत्र में घर के बाहर खड़ी बाइक चोरी हो गई। इसे लेकर संबंधित धाराओं में केस दर्ज किया गया है। 68-डी ब्लॉक निवासी शशि गोयल ने बताया कि 5 अगस्त की शाम करीब 7 बजे उन्होंने घर के बाहर बाइक खड़ी की थी। चोरी हुई बाइक काले रंग की ड्रीम युगा थी जिसका नंबर आरजे 13 एसवाई 8136 है। परिवादिया ने बताया।

व्रत सुरक्षा कवच की तरह है : मुनि कमल

- पर्युषण पर्व का पांचवा दिन 'व्रत चेतना दिवस' के रूप में मनाया

बीकानेर, (कासं)। पर्युषण पर्व का पांचवा दिन गंगाशहर के तेरापंथ भवन में 'व्रत चेतना दिवस' के रूप में मनाया गया। इस अवसर पर तपोमूर्ति मुनि कमल कुमार ने अपने प्रवचन में व्रत के महत्व पर प्रकाश डाला।

मुनि श्री ने कहा कि व्रत एक सुरक्षा कवच की तरह है। जो व्यक्ति अपने स्वीकृत व्रतों का दृढ़ता से पालन करता है, वह हर समस्या से बच सकता है। उन्होंने चरित्र धर्म और उपासना धर्म के बीच के अंतर को स्पष्ट करते हुए कहा कि जहां उपासना सीमित समय के लिए होती है। वहीं चरित्र धर्म का पालन जीवनभर किया जा सकता है। उन्होंने सभी को श्रावकों को 12 व्रतों को अपनाने की सलाह दी, जिससे उनका श्रावकत्व पुष्ट हो सके। मुनि श्री ने श्रावक और साधु की तुलना रत्नों की माला से करते हुए कहा कि साधु व श्रावक दोनुं रत्ना री माला है, एक मोटी दुजी नान्ही रे'। इसका अर्थ है कि साधु और श्रावक दोनों ही रत्न है। एक महाव्रती होने से बड़ी माला है और दूसरा अणुव्रती होने से छोटी, लेकिन दोनों ही अनमोल हैं। उन्होंने अहमदाबाद में हुए हालिया विमान हादसे का उदाहरण देते हुए व्रत निष्ठा का महत्व समझाया।

उन्होंने बताया कि उस विमान में मौजूद कुछ जैन यात्री, जो मांसाहारी भोजन का त्याग कर चुके थे, अस्पताल से बाहर भोजन करने गए थे। इसी दौरान दुर्घटना हो गई और वे बच गए, जबकि मांसाहारी भोजन करने वाले लोग मारे गए। यह घटना दर्शाती है कि व्रतनिष्ठा किस तरह व्यक्ति को संकट से बचा सकती है। मुनि श्रेयांश कुमार जी और मुनि मुकेश कुमार जी ने गीत प्रस्तुत किए। तेरापंथ युवक परिषद ने 'सम्यक दर्शन कार्यशाला' के बैनर का अनावरण किया, जिसके साथ मुनि श्री ने लोगों को जुड़ने का आ ान किया।कार्यक्रम में कई तपस्वियों ने उपवास, बेले, तेले और चोले की तपस्याएँ कीं। श्रीमती तारा देवी बैद ने अपनी 42वीं दिन की तपस्या और मुनि श्री नमि कुमार जी ने 33वें दिन की तपस्या का प्रत्याख्यान किया। अणुव्रत समिति के प्रतिभागियों ने बीदासर में आयोजित प्रतियोगिता में 5 पुरस्कार जीतकर गंगाशहर का नाम रोशन किया उनको मुनिश्री ने साधुवाद दिया।

बीकानेर में शोक की लहर

बीकानेर। अयोध्या नरेश, और श्रीराम जन्मभूमि प्रन्यास के सदस्य विमलेंद्रमोहन प्रताप मिश्र के असामयिक निधन पर बीकानेर शाकद्वीपीय समाज में भी शोक की लहर दौड़ गई। अयोध्या राजपरिवार का बीकानेर से पुराना नाता रहा है और शाकद्वीपीय मग ब्राह्मण कुल के मग रत्न विमलेंद्र मोहन प्रताप मिश्र समय समय पर बीकानेर शाकद्वीपीय समाज की जानकारी लेते रहे इस से पहले उनके पिताजी का बीकानेर आना रहा। भाई बंधु ट्रस्ट मंत्री नितिन वत्सस ने बताया कि अयोध्या नरेश विमलेंद्र मोहन प्रताप मिश्र के निधन पर बीकानेर शाकद्वीपीय समाज के घटकों ने गहरा शोक प्रकट किया। प्रांतीय अध्यक्ष सत्यदीप शर्मा, जेठमल सेवग उर्फ बाबूलाल, बजरंगलाल सेवग मास्टर, पंडित रविप्रकाश शर्मा, आर.के.शर्मा, सत्यदेव शर्मा श्रीमती कामिनी विमल भोजक मैया,दुर्गादत भोजक, पुरूषोतम सेवक,बलदेव शर्मा सूरत, एडवोकेट शिवचन्द भोजक,श्रीकांत भोजक, महेश भोजक लाडनूं, हरीश बी.शर्मा, राजेश शर्मा,शंकर सेवग, दयाशंकर शर्मा, मनोज सेवग मनु, पार्षद दुलीचंद सेवग, राजा सेवग, पार्षद अनामिका शर्मा, नरसिंह सेवग, प्रणव भोजक, एडवोकेट दिलीप सेवग, एडवोकेट सुरेन्द्र शर्मा, मयूर शर्मा दाऊजी लहरा आदि मौजूद रहे।

स्वदेशी घोड़ों की स्पर्धाओं के लिए राष्ट्रीय खेल नीति बनें : डॉ. मेहता

बीकानेर, (कासं)। राष्ट्रीय अश्व अनुसंधान केन्द्र बीकानेर पर 'भारत में अश्व-क्षेत्र के विकास पर कार्यशाला' का आयोजन किया गया। इस आयोजन की शुरूआत गोंडल, गुजरात से मां भुवनेश्वरी पीठ के आचार्य घनश्याम के आशीर्वचनों एवं मां सरस्वती के दीप प्रज्वलन के साथ हुई।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि डॉरामेश्वर सिंह, कुलपति, गुरू काशी विश्वविद्यालय, भटिण्डा थे एवं विशिष्ट अतिथि डॉ देवेंद्र स्वरूप, पूर्व निदेशक, केंद्रीय बकरी अनुसंधान संस्थान, डॉ कानन कुलसेकर, तनुवास, चेन्नई एवं डॉ श्रीनिवास, नार्म, हैदराबाद से थे। कार्यक्रम में स्वागत उद्‌बोधन देते हुए डॉ टी. के. भट्टाचार्य, निदेशक ने केंद्र की उपलब्धियों पर प्रकाश डाला एवं स्वदेशी एस.एन.पी. चिप, घोड़ों की आठवीं नस्ल, होल जीनोम कार्यक्रम, भ्रूण प्रत्यर्पण एवं विट्रीफिकेशन तकनीक आदि केन्द्र द्वारा विकसित किए जाने की जानकारी दी एवं वैज्ञानिकों को बधाई दी। उन्होंने केन्द्र द्वारा विक्सित किए गए वैक्सीन्स एवं डायग्नोस्टिक किट्स की जानकारी भी दी। कार्यशाला के आयोजन सचिव एवं प्रभागाध्यक्ष डॉ एस. सी. मेहता ने कार्यशाला के उद्देश्यों पर प्रकाश डाला एवं भारत में अश्व क्षेत्र के भविष्य की रूप रेखा पर अपना प्रजेंटेशन दिया।

उन्होंने हैरानी व्यक्त करते हुए कहा कि देश में तीन लाख चालीस हजार घोड़े हैं। उनमें से मात्र दस हजार के आस-पास घोड़े विदेशी हैं लेकिन उनके लिए रेस कोर्सेस हैं, क्लब्स हैं एवं अन्य कई सुविधाएं देश में हैं लेकिन स्वदेशी तीन लाख तीस हजार घोड़ों के लिए कुछ नहीं। उन्होंने बताया कि आज आवश्यकता है हमें इन स्वदेशी घोड़ों को बढ़ावा देने की एवं उसके लिए उन्होंने हॉर्स सफारी, राईडिंग स्कूल्स, रेड़ी रेस, तांगा रेस, रेवाल चाल, ड्रेसाज, ईंडूरेंस रेस, एरीना पोलो आदि घोड़ों पर आधारित स्पोर्ट्स को बढ़ावा देने की बात दी जो कि हमारे स्वदेशी घोड़ों के अनुरूप है एवं हमारा घोड़ा इस स्पर्धाओं में बहुत आगे जा सकता है।

उन्होंने इस बात पर जोर दिया की कई जगह कानून की स्थिति स्पष्ट नहीं होने से भी कई बाधाएं आती है, जैसे रेड़ी रेस या तांगा रेस करावा सकते हैं या नहीं। उन्होंने इस बात पर बल दिया की जब जल्लिकट्टु भी उचित नियमों के पालन के साथ खेला जा सकता है तो रेडी रेस क्यों नहीं। लेकिन उन्होंने इस बात पर विशेष जोर देते हुए कहा की जब तक राष्ट्रिय खेल निति में स्वदेशी घोड़ों के स्पोर्ट्स को राज्य स्तर एवं राष्ट्रीय स्तर पर आयोजन की रूप रेखा नहीं बनती है।

मान्यता नहीं मिलती है तब तक यह कार्य अधूरा ही रहेगा। उन्होंने निति निर्धारकों से अपील की इस सम्बन्ध में आगे की कार्यवाही जनहित में प्रारम्भ करें। कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुए आलइंडिया भीमथड़ी हॉर्स एसोसिएशन, बारामती, पुणे के संस्थपाक अध्यक्ष श्री रणजीत डी पंवार ने कहा की हमने डॉ मेहता के साथ मिल कर करीब तीन सौ वर्ष पूर्व की विरासत को पुन: संभाला है एवं उसे भीमथड़ी नस्ल के रूप में मान्यता प्रदान करवाई है।

हमने उसको डीएनए के स्तर पर भी सिद्ध किया है। अब हम उसके सतत विकास की रूपरेखा पर कार्य कर रहे हैं एवं पिछले दो वर्षों में लगातार दो शो करवाए हैं एवं उनकी स्पोर्ट्स क्षमताओं के विकास पर कार्य कर रहें हैं। इसके लिए हमने 'ब्रिटिश पोनी क्लब' के साथ भी टाईअप किया है। अब यह नस्ल रिलायंस के 'वन-तारा' में भी संरक्षित रहेगी।